

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में 'बालवाड़ी योजना' का कथिा शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

5 सतिंबर, 2022 को शकिषक दविस के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नई शकिषा नीती के अनुसार खेल-खेल में बच्चों के सीखने और समझने की क्षमता को वकिसति करने के लयि प्रदेश में 'बालवाड़ी योजना' का शुभारंभ कयिा ।

प्रमुख बदि

- 'जाबो बालवाड़ी बढाबो शकिषा की गाड़ी' की थीम के साथ मुख्यमंत्री नविस कार्यालय में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस योजना की शुरुआत की ।
- स्कूल शकिषा वभिाग दवारा बालवाड़ी योजना पाँच से छः वरष तक की आयु के बच्चों के लयि शुरु की गई है ।
- 'बालवाड़ी योजना' के माध्यम से बच्चे सीखने के लयि प्रोत्साहति होंगे और उन्हें स्कूल के माहौल के लयि तैयार कयिा जा सकेगा । बच्चों के लयि हर बालवाड़ी में आंगनबाड़ी सहायकिा के अतरिकित संबद्ध प्राथमकि शाला के एक सहायक शकिषक की भी तैनाती की जाएगी और इसके लयि सहायक शकिषक को हर माह 500 रुपए का अतरिकित मानदेय भी प्रदान कयिा जाएगा ।
- बच्चों को खेल-खेल में एवं रोचक तरीके से अध्यापन कार्य कराने के लयि आंगनबाड़ी सहायकिा एवं शकिषकों को वशिष प्रशकिषण दयिा गया है । प्रत्येक बालवाड़ी के लयि बच्चों के अनुकूल फर्नीचर, खेल सामग्री एवं प्रटिरीच रंग-रोगन आदि के लयि एक लाख रुपए की स्वीकृती भी प्रदान की गई है ।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि वैज्ञानिकों ने अपने अनुसंधान में पाया है कि मनुष्य के मसतषिक का 85 प्रतिशत वकिस बाल्य अवस्था में ही हो जाता है । एक बच्चा अपने प्रारंभिक वरषों में जो सीखता है, वही चीजें स्कूल में और आगे जीवन में उसकी मदद करती हैं । शकिषण की शुरुआत तभी हो जानी चाहयि, जब बच्चों का मसतषिक तैयार हो रहा हो ।
- योजना के शुभारंभ के अवसर पर स्कूल शकिषा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सहि टेकाम ने कहा कि बालवाड़ी योजना का उद्देश्य बच्चों के मानसकि, सामाजकि, मनोवैज्ञानकि एवं संज्ञानात्मक वकिस करने एक लयि एक शकिषण-सेतु के तौर पर कार्य करेगी ताकि 5 से 6 वरष की उम्र में जब बच्चे पहली कक्षा में जाएँ तो वह उसके लयि पूरी तरह तैयार हो चुके हों ।
- स्कूल शकिषा वभिाग के प्रमुख सचवि आलोक शुक्ला ने योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस वरष 5173 बालवाड़यिाँ प्रारंभ की गई हैं और आने वाले वरषों में राज्य के सभी क्षेत्नों में चरणबद्ध रूप से बालवाड़यिाँ खोली जाएंगी ।